(3)

GREENLAWNS HIGH SCHOOL
TERMINAL EXAMINATION 2017-18

SUB : HINDI **CLASS : VIII**
TIME : 2 ½ HOURS **MARKS : 80**

Answer to this paper must be written on the paper provided separately. You will not be allowed to write during the first 10 minutes.
The time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.
This paper comprises of two section: Section A and Section B.
Attempt all the questions from Section A.
Attempt any three question from Section B.
(Question No. 5,6,7,8) and No. 9 compulsory.

SECTION A (40 MARKS)
ATTEMPT ALL QUESTIONS

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। (१५)

१) आधुनिक युग और बदलता भारत

२) मेरे जीवन का लक्ष्य

३) वर्तमान युग में कंप्यूटर की उपयोगिता

४) ''मधुर वचन है औषधि'' – उक्ति को ध्यान में रखकर एक कहानी लिखिए।

५) नीचे दिये गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

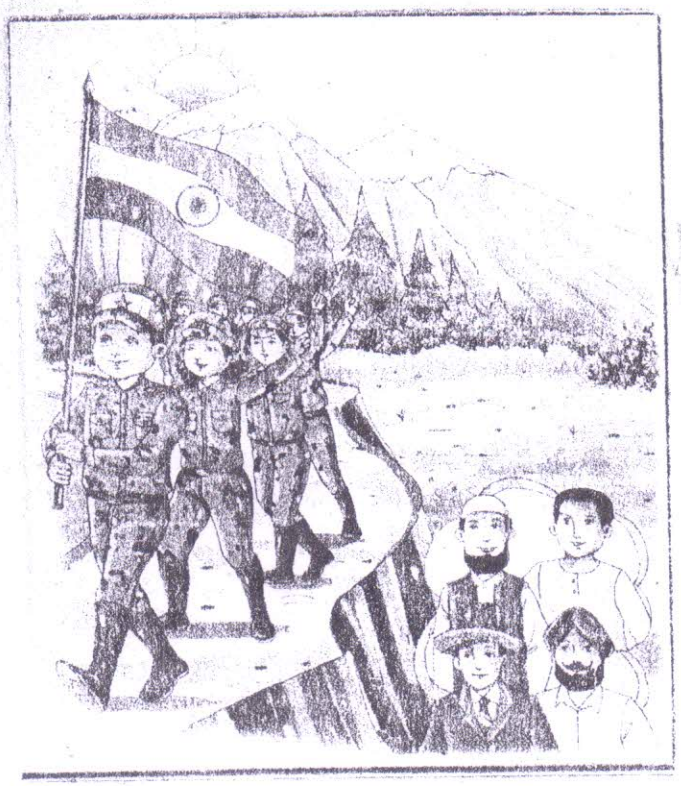

...2/-

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। (७)

१) गणेशोत्सव के दौरान आपकी सोसायटी में तेज़ स्पीकर बजने से आपको परेशानी होती है। इसकी शिकायत करने के लिए पुलिस अधिकारी को पत्र लिखिए।

अथवा

२) अपने छोटे भाई को व्यायाम के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए पत्र लिखिए।

प्रश्न ३. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव अपने शब्दों में लिखिए।

प्राचीनकाल में अष्टावक्र नाम के एक महर्षि हुए जो अत्यंत विद्वान और ज्ञानी थे। अष्टावक्र शरीर से विकलांग और आठ अंगों से टेढ़े थे। वे ठीक तरह से चल भी न सकते थे। उनकी कुरुपता को देख सब उनपर हँसते थे। कहते हैं कि किसी शाप के कारण ही उनका जन्म इस रुप में हुआ और नाम मिला–अष्टावक्र। अपनी कुरुपता और विकलांगता को अष्टावक्र ने कभी अपने मार्ग की बाधा नहीं बनने दिया। वे मानते थे कि शरीर से बड़ी आत्मा है। शरीर भले ही टेढ़ा-मेढ़ा हो परंतु आत्मा सुंदर और शुद्ध होनी चाहिए। अष्टावक्र बचपन से ही ज्ञानी थे और उनमें विद्या-प्राप्ति की लालसा थी। बारह वर्ष की उम्र तक वे महान विद्वान बन गए थे। एक बार अपने पिता के बारे में पूछते हुए उन्हें ज्ञात हुआ कि उनके पिता को राजा जनक के दरबार में एक विद्वान से शास्त्रार्थ में पराजित होने के कारण अपमानित होना पड़ा था। दंड भी मिला था। बस! अष्टावक्र ने उसी समय निश्चय किया कि वे राजा जनक के दरबार में जाकर उस विद्वान से शास्त्रार्थ करेंगे और उसे हरा देंगे। वे जैसे ही राजा के सन्मुख पहुँचे कि सभी सभासद जोर-जोर से हँसने लगे। यहाँ तक कि राजा जनक भी अपनी हँसी पर नियंत्रण न कर पाए। अष्टावक्र ने जोर का ठहाका मारा। सभासदों की हँसी की आवाज़ इस ठहाके से दब गई। सभी स्तब्ध रह गए। राजा जनक अचंभित थे। उनसे रहा न गया। पूछा, ''बालक! तुम इतनी जोर से क्यों हँसे?" अष्टावक्र ने प्रश्न के उत्तर में प्रश्न किया, '' राजन! पहले आप बताएँ कि आप क्यों हँसे? राजा जनक कुछ क्षण चुप रहे पर उत्तर तो देना ही था। बोले, ''बालक! वास्तव में हमारे हँसने का कारण तुम्हारी कुरुपता थी।" मैं अपनी और अपने सभासदों की अशिष्टता के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। अब अष्टावक्र ने कहा, ''राजा जनक, मैंने सुना था कि आपकी सभा में बड़े-बड़े विद्वान और ज्ञानी व्यक्ति हैं और मैं उनसे शास्त्रार्थ करने आया था; परंतु मुझे तो यहाँ सब हाड़-माँस के शरीर के पुजारी लगते हैं। ये तो शरीर को ही देख रहे हैं, ज्ञान को तो भुला चुके हैं।'' राजा जनक को आश्चर्य हुआ, क्या इतनी कम उम्र में भी कोई विद्वान हो सकता है? उन्होंने प्रश्न किया, '' मुझे यह बताएँ कि ज्ञान कैसे प्राप्त होता है और मुक्ति कैसे मिलती हैं?"

''राजन यदि ज्ञान चाहते हो तो अहंकार त्यागकर सबसे सीखो और मुक्ति चाहते हो तो भोग को विष के समान त्याग दो। क्षमा, दया, संतोष, सत्य और सरलता को हृदय में धारण करो।" राजा ने अनेक प्रश्न पूछे। अष्टावक्र ने शांतभाव से विद्वतापूर्ण उत्तर दिए। अनुमति मिलने पर उन्होंने अपने शरीर को अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति पर कभी हाव नहीं होने दिया।

...3/-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

१) अष्टावक्र कौन थे ? उनको अष्टावक्र क्यों कहते थे ? (२)

२) राजा जनक के दरबार में जाकर शास्त्रार्थ करने के पीछे अष्टावक्र का क्या उद्देश्य था ? (२)

३) अष्टावक्र को देखते ही सभासदों और राजा जनक की हँसी क्यों छूट पड़ी ? (२)
इसपर अष्टावक्र ने क्या कहा ?

४) राजा जनक द्वारा अष्टावक्र से ज्ञान और मुक्ति की प्राप्ति की विधि पूछे जाने पर अष्टावक्र ने क्या कहा ? (२)

५) अष्टवक्र में ऐसे कौन-कौन से गुण थे जिनके कारण उन्हें ज्ञानी माना गया ? (२)

प्रश्न ४. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए।

१) निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए : (१)

क) भाव ख) लड़ना

२) निम्न शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए: (१)

क) विद्वान ख) हँसना

३) निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: (१)

क) इच्छा ख) इंद्र

४) निम्न शब्दों के विलोम शब्द लिखिए: (१)

क) घृणा ख) निम्न

५) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए:- (१)

क) आँखों में धूल झोंकना

६) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

१) उनकी कुरुपता को देख सब उनपर हँसते थे। (१)
(वर्तमान काल में बदलिए।)

२) अहंकार त्यागकर ही ज्ञान की प्राप्ति होती है। (१)
('त्यागकर' शब्द के स्थान पर 'त्यागना ' शब्द का प्रयोग कीजिए।)

३) आप बेकार व्यर्थ में परेशान हो रहे हैं। (वाक्य शुध्द कीजिए) (१)

SECTION - B

भाग – ब

प्रश्न ५. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१०)

खाने के मामले में वह बहुत लालची था। हम बच्चों की थाली में पूरा खाना कभी नहीं परोसता था।

१) 'वह' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उसका परिचय दीजिए। (२)

२) वह लेखक को खाना कैसे खिलाता था ? स्पष्ट कीजिए। (२)

३) लेखक को इधर-उधर जाने से रोकने के लिए क्या तरीके अपनाए जाते थे ?उन्होंने चीजों को ध्यान से देखना और अपनी यादों में सँजोना कहाँ सीखा था ? (३)

४) बचपन में लेखक किसके साथ यात्रा पर गए ?यात्रा के दौरान उन्हें क्या सीखने और जानने का अवसर मिला ? (३)

प्रश्न ६. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१०)

नियागरा जल प्रपात का आनंद मात्र इन पंक्तियों को पढ़कर आप नहीं उठा सकेंगे, ऐसी मेरी धारणा है। प्रकृति की यह देन कनाडा और अमरीका के लिए वरदान है।

१) प्रस्तुत वाक्यों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहते हैं ? (२)

२) 'कुहरे की कुमारी' का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (२)

३) नियागरा जल-प्रपात की विशेषताएँ लिखिए। (३)

४) नियागरा जल-प्रपात के आसपास निवास करनेवाले रेड इंडियनों में कौन-सा अजीब रिवाज़ प्रचलित था और क्यों ? (३)

प्रश्न ७. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीच लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१०)

खग! उड़ते रहना जीवन भर।

यदि तू लौट पड़ेगा थककर,

अंधड़-काल, बवंडर से डर,

प्यार तुझे करनेवाले ही देखेंगे तुसको हँस –हँसकर।

१) कवि ने मनुष्य को प्रेरणा देने के लिए उसे क्या कहकर संबोधित किया है ? और क्यों ? (२)

२) अर्थ लिखिए – क) झकोरा ख) अंधड़ काल ग) हलकोरा घ) बदतर (२)

३) इस कविता के माध्यम से कवि ने किन लोगों को संबोधित किया है ? और उन्हें क्या प्रेरणा दी है ? (३)

४) संसार किन लोगों पर हँसता है ? और किनके प्रति सम्मान प्रकट करता है ? समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न ८. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१०)

एक करेंगे मनुष्यता को
सींचेंगे ममता-समता को
नई पौध के लिए
बदल देंगे तारों की चाल,
नया भूगोल बनाएँगे,
नया संसार बसाएँगे, नया इनसान बनाएँगे।

१) 'नया भूगोल बनाएँगे' से क्या तात्पर्य है ? (२)

२) अर्थ लिखिए – क) ममता ख) मनुष्यता ग) समता घ) नई पौध (२)

३) प्रस्तुत कविता का उद्देश्य लिखिए। (३)

४) कवि ने कैसा संसार और इनसान बनाने की कल्पना की है ? विस्तार से लिखिए। (३)

प्रश्न ९. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१०)

१) सघन वन में भीम का विवाह किसके साथ हुआ और कैसे ? (२)

२) दुर्योधन का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (२)

३) कर्ण को किसने और क्या श्राप दिया ? श्राप देने का कारण समझाकर लिखिए। (३)

४) द्रौपदी के पिता का क्या नाम था ? पुत्री के स्वयंवर के लिए रखी गई कठिन प्रतियोगिता में प्रतियोगी को क्या-क्या करना था ? समझाइए। (३)